अद्भुत-ऐतिहासिक

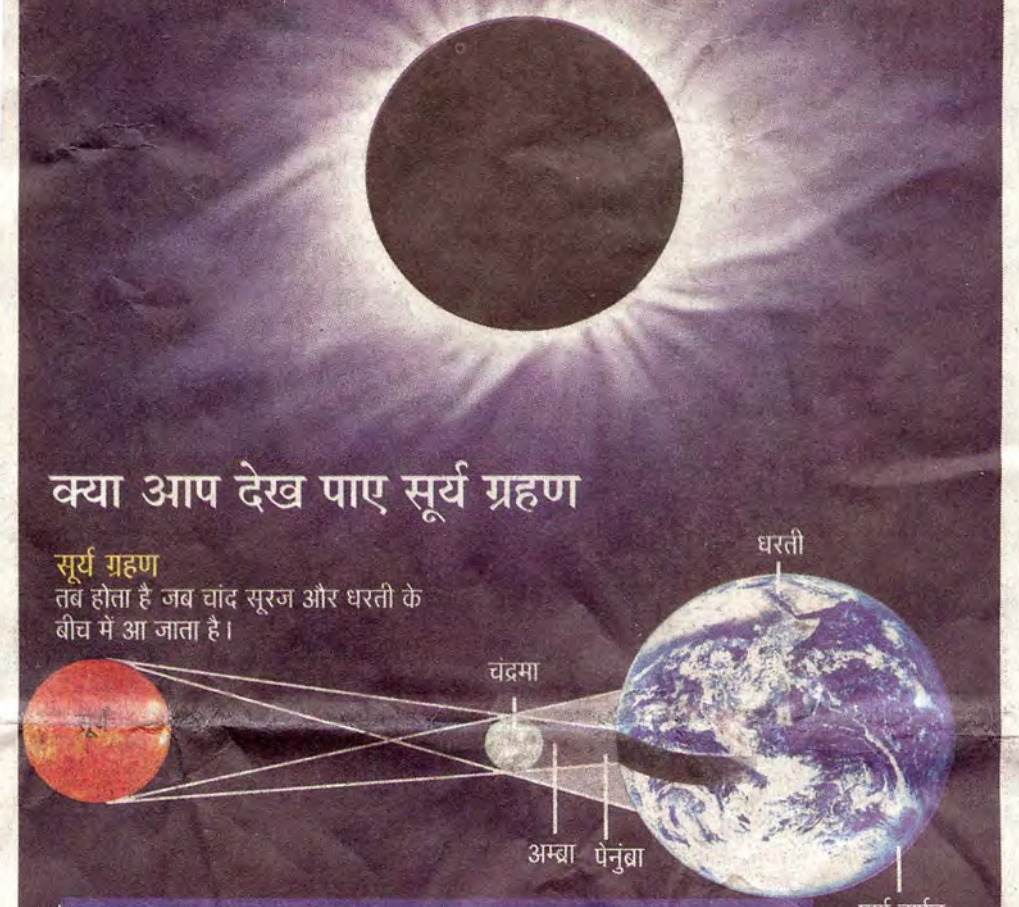

क्या आप देख पाए सूर्य ग्रहण

सूर्य ग्रहण
तब होता है जब चांद सूरज और धरती के बीच में आ जाता है।

दो टूक

चांद और सूरज का कैसा मिलन था यह, जिसने हजारों-लाखों को सोने नहीं दिया? क्यों हजारों मील दूर से लोग इसे देखने भारत पहुंचे? ऐसे सवालों की कोई गुंजाइश न रहती अगर सब लोग आज तड़के घटी इस महाघटना के साक्षी बनते! झट समझ आ जाता कि जिज्ञासा, रोमांच और आनंद से भीगी करोड़ों आंखों ने इस अलौकिक लुकाछिपी में क्या देख लिया! हमारे सबसे चहेते दो आकाशीय पिंडों का महारास था यह! ब्रह्मांड की सबसे अनूठी रासलीला! अद्भुत, अनुपम और ऐतिहासिक! नटखट चांद का आभासी सम्मिलन समाप्त होना आरंभ होता है और नभ में उभरती है एक हीरे की अंगूठी! आकाशलोक का सबसे अमूल्य आभूषण! कुछ पल के लिए कौंधती है और फिर दशकों के लिए ओझल हो जाती है यह अंगूठी। अतीत में अज्ञान के राहु-केतु वर्तमान के विज्ञान के डायमंड रिंग बन गए! ग्रहण मानव इतिहास के प्राचीनतम साक्षी होते हैं! हमारी समस्त विकास यात्राओं के खगोलीय पर्यवेक्षक! सचमुच कितने विरले होते हैं ये ग्रहण!

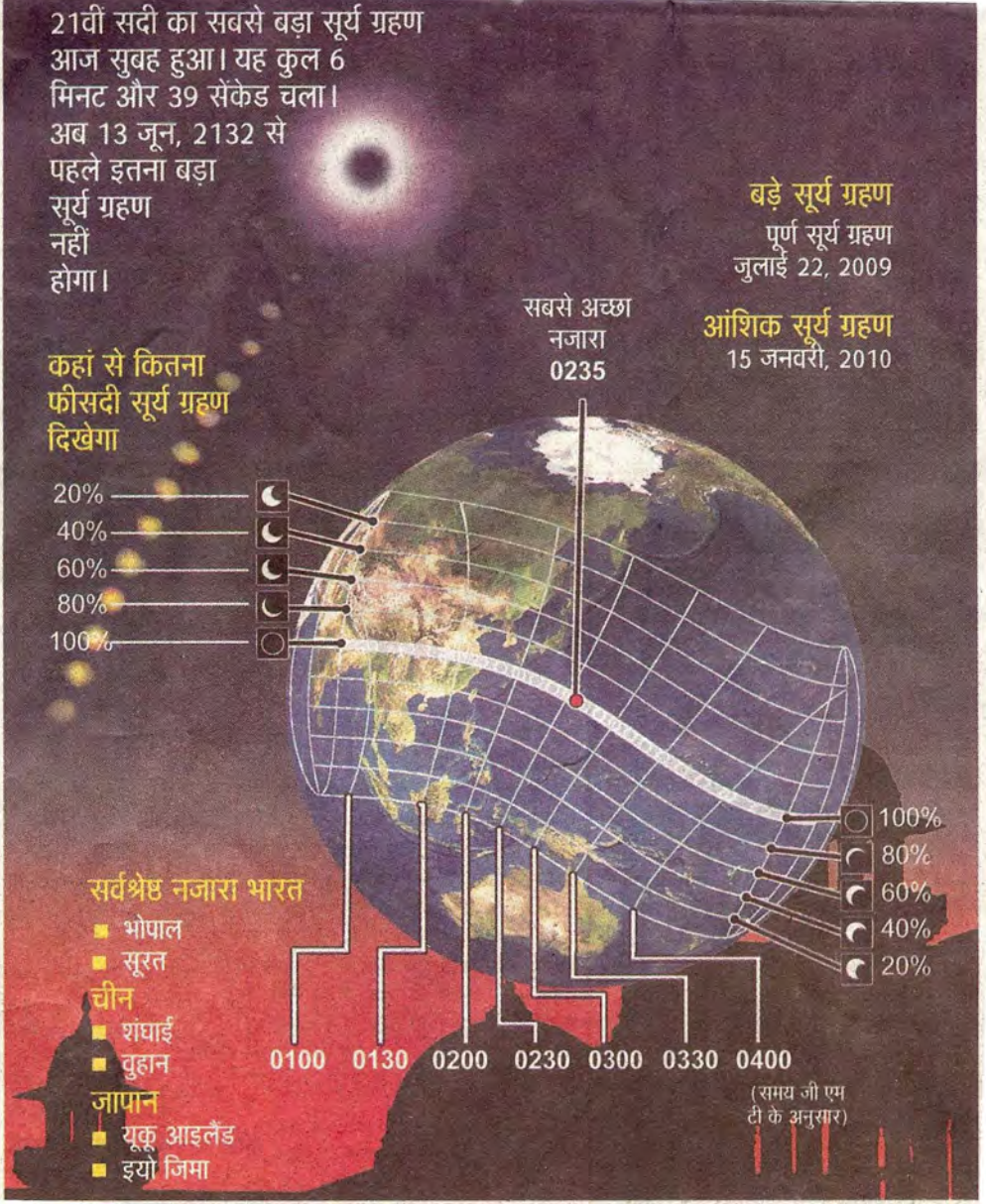
21वीं सदी का सबसे बड़ा सूर्य ग्रहण आज सुबह हुआ। यह कुल 6 मिनट और 39 सेंकेड चला। अब 13 जून, 2132 से पहले इतना बड़ा सूर्य ग्रहण नहीं होगा।
बड़े सूर्य ग्रहण
पूर्ण सूर्य ग्रहण
जुलाई 22, 2009
आंशिक सूर्य ग्रहण
15 जनवरी, 2010
सबसे अच्छा नजारा
0235
कहां से कितना फीसदी सूर्य ग्रहण दिखेगा
20%
40%
60%
80%
100%
100%
80%
60%
40%
20%
सर्वश्रेष्ठ नजारा भारत
भोपाल
सूरत
चीन
शंघाई
वुहान
जापान
यूकू आइलैंड
इयो जिमा
0100 0130 0200 0230 0300 0330 0400
(समय जी एम टी के अनुसार)